बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

दैनिक भास्कर

राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो अनिल जेटली के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। श्री जेटली ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी मधु जेटली को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग–अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाईं ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए।उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की

जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया।

उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

नई दिल्ली
नवोदय टाइम्स
NAVODAYA TIMES, New Delhi

प्रभु श्री राम और हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय

■ बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा 5.52 लाख पार

गुड़गांव, 15 फरवरी (ब्यूरो): मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो अनिल के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ।

अनिल जेटली ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई

मधु जेटली के साथ बोधराज सीकरी।

मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है।

वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है।

बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

अमर भारती
एक उम्मीद
संस्करण
मूल्य: 03 रु. RNI No. HARHIN/2013/61478 www.amarbharti.com सोमवार, 04 दिसम्बर 2023 शक संवत् 19

हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार के पार

अमर भारती ब्यूरो।

गुरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया।

तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

गुरुग्राम। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

8:11 AM

राष्ट्रीय दैनिक

संस्थापक अमर कर्मयोगी स्व. श्री तिलकराज जी भाटिया

॥ फानूस बनके जिसकी हिफाजत हवा करे, वो शमां क्या बुझे जिसे रोशन खुदा करे॥

जगत क्रान्ति

प्रभु श्री राम का जीवन और हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय : बोधराज सीकरी

⏭ बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा 5 लाख 52 हजार पार

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गर्जेंद्र गोसाईं ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया।

बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

प्रभु श्रीराम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

दैनिक
भरोसा मित्र
ना इधर की ना उधर की बात सिर्फ भरोसे की

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

एमके अरोड़ा, भरोसा मित्र

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाई ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे

प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए है अनुकरणीय

न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। उन्होंने बताया कि जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11, जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 छात्रों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज के सहयोग से जूम ऐप पर 25 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39 हजार 773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक
राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र
उजाला आज तक

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो अनिल के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले राजेंद्र गोसाई ने श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकों के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली और मधु जेटली को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहू बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विद्वान के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझो तो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूं कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी जी.के.रज प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रूपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नामा, योगेश, नीनू कुंडिहाता व अन्य जन उपस्थित रहे।

दैनिक मेवात

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

– दैनिक मेवात संवाददाता

गुरुग्राम। दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 15 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण

देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

DBP NEWS डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज़
हर खबर पर नज़र
(दिल्ली जयपुर अजमेर झुंझुनू संस्करण)

समाज सेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में लगातार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ अभियान का आंकड़ा अब 5 लाख 52 हजार के पार हुआ

गुडगांव (प्राण शर्मा) डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज़। हर बार मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। जजमान अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वो घर धन्य है। जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है। और वो घर भी धन्य है। जिनके घर में कन्या नहीं है। बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं। तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं।उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे। वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है। तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा। वेदों की ओर जाना होगा। अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए है अनुकरणीय - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाईं ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए।

आयोजन को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। उन्होंने बताया कि जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11, जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 छात्रों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज के सहयोग से ज़ूम ऐप पर 25 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39 हजार 773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

TITLE CODE : HARHIN11545

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं

है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया।

ज्योति दर्पण

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकों के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहू बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जय के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

आज समाज
www.aajsamaaj.com

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

गुरुग्राम। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 15 फरवरी। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया।

उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा।

बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया।

इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

AJEY BHARAT
Desh...Aap Tak
WWW.AJEYBHARAT.COM

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया।

इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा, योगेश गंभीर अन्य जन उपस्थित रहे।